ओडीओपी के दम पर निर्यात में उत्तर प्रदेश ने लगाई बड़ी छलांग

पिछले पांच वर्षों के मुकाबले निर्यात में हुई 53% की बढ़ोतरी

- यूपी से अमेरिका को सबसे ज्यादा उत्पादों का हो रहा निर्यात
- गौतमबुद्ध नगर पहले स्थान पर आगरा-लखनऊ आए आगे

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के दम पर उत्तर प्रदेश ने निर्यात के मोर्चे पर अभी तक की सबसे लंबी छलांग लगाई है। उत्तर प्रदेश से विभिन्न देशों को किए जाने वाले निर्यात में पिछले पांच वर्षों में 53 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020-21 में उत्तर प्रदेश से 1.21 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उत्तर प्रदेश से पिछले वर्ष सर्वाधिक 35,545 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात अमेरिका को किया जा गया है, जबकि दूसरे नंबर पर यूके व तीसरे नंबर पर जर्मनी है।

फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन (फिओ) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश से ओडीओपी उत्पादों के अलावा इलेक्ट्रानिक्स व इलेक्ट्रिकल, मीट व मीट के उत्पाद, गारमेंट, मशीन व मैकेनिकल उपकरण, फुटवियर, कालीन, लोहे व स्टील के उत्पाद, वाहनों के पुर्जे, फर्नीचर व जेम्स व ज्वेलरी का सबसे ज्यादा निर्यात किया जा रहा है।

फिओ के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि ओडीओपी उत्पाद हस्तशिल्प सहित विभिन्न श्रेणियों में आते हैं इसलिए वाणिज्य मंत्रालय ने इसके निर्यात के लिए अलग श्रेणी नहीं बनाई है, लेकिन ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा देने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल का असर निर्यात में बढ़ोतरी के रूप में दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में निर्यात के मामले में पांचवें स्थान पर है, जबकि गुजरात पहले, महाराष्ट्र दूसरे, तमिलनाडु तीसरे व कर्नाटक चौथे स्थान पर है।

लखनऊ से भी बढ़ा निर्यात

प्रदेश की राजधानी लखनऊ से भी निर्यात बढ़ा है। वर्ष 2023-24 में लखनऊ से 1,337 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1,739 करोड़ रुपये हो गया है। अलीगढ़ ने 7,218 करोड़ रुपये, भदोही ने 5,098 करोड़ रुपये, उन्नाव ने 4,941 करोड़ रुपये, अमरोहा ने 2,816 करोड़ रुपये, संभल ने 2,406 करोड़ रुपये, खेल नगरी मेरठ ने 2,216 करोड़ रुपये व सोनभद्र ने 1,899 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया है।

चित्रकूट का नहीं खुला खाता 12 जिले रहे सबसे पीछे

निर्यात के मामले में सबसे पीछे रहने वाले 12 जिलों से 10-10 करोड़ रुपये का भी निर्यात नहीं किया जा सका है। इनमें सुलतानपुर, मऊ, कुशीनगर, बलरामपुर, बस्ती, मैनपुरी, बलिया, श्रावस्ती, जालौन, बांदा, कौशांबी, आजमगढ़ शामिल हैं। इसके अलावा चित्रकूट ने एक रुपये का भी निर्यात नहीं किया है, जबकि श्रावस्ती ने वर्ष 2023-24 में कुछ भी निर्यात नहीं किया था, लेकिन वर्ष 2024-25 में श्रावस्ती ने दो करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात कर नीचे से छठा स्थान प्राप्त किया है।

गौतमबुद्ध नगर का पहला स्थान बरकरार

उप्र के विभिन्न जिलों में गौतम बुद्ध नगर निर्यात करने में पहले स्थान पर है। गौतम बुद्ध नगर इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों, खास तौर पर मोबाइल फोन निर्माण के दम पर पहले स्थान पर बना हुआ है। गौतम बुद्ध नगर ने पिछले वर्ष 94,272 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया है। 14,949 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात कर गाजियाबाद ने भी दूसरा स्थान बरकरार रखा है। 10,401 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात कर कानपुर चौथे से तीसरे नंबर पर आ गया है। वहीं मुरादाबाद 10,391 करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात कर तीसरे से चौथे पायदान पर खिसक गया है। आगरा भी 7,555 करोड़ रुपये के उत्पादों के निर्यात के साथ छठे से पांचवे स्थान पर आ गया है।

इन देशों में उत्तर प्रदेश के उत्पादों की सर्वाधिक मांग

अमेरिका, यूके, यूएई, जर्मनी, नेपाल, आस्ट्रिया, फ्रांस, नीदरलैंड, स्पेन, इटली, वियतनाम, सउदी अरब, इजिप्ट, मलेशिया, स्वीडन, मैक्सिको, ईराक, चीन, इंडोनेशिया व ब्राजील में उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक निर्यात किया जा रहा है। वियतनाम, मलेशिया व यूएई को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों में कमी आई है। वियतनाम को वर्ष 2023-24 में 5,750 करोड़ के उत्पादों का निर्यात किया गया था, जो वर्ष 2024-25 में 5,037 करोड़ रह गया। मलेशिया को वर्ष 2023-24 में 4,644 करोड़ का निर्यात किया गया था जो वर्ष 2024-25 में 3,500 रह गया है। वहीं यूएई को 2023-24 में 14,109 करोड़ का निर्यात हुआ, जो वर्ष 2024-25 में 10,876 करोड़ रह गया है।